पंजीयन प्रपत्र

नाम _____

पदनाम _____

विभाग _____

संस्था का पता _____

पत्र व्यवहार का पता _____

ई–मेल _____

फोन नंबर _____

मोबाईल नं _____

शोध पत्र शीर्षक _____

प्रतिभागी के हस्ताक्षर _____

पंजीयन शुल्क _____

नोट : पंजीयन कार्यक्रम स्थल पर सुबह 10:00 बजे से रूपये 1200 अदा कर भी करवा सकते है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इन्दौर (म. प्र.)

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

16 मार्च 2019

विषय

किन्नर सभ्यता, संस्कृति और साहित्य : चिंतन और चुनौतियां

प्रायोजक

संभासा केंद्र, इंदौर (सृजन विमर्श शोध पत्रिका)

संरक्षक

डॉ. वंदना अग्निहोत्री

प्राचार्य

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर

संयोजक

डॉ. कला जोशी

विभागाध्यक्ष हिंदी

संरक्षक

डॉ.वंदना अग्निहोत्री

प्राचार्य

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर

परामर्श मंडल

- महामंडलेश्वर, किन्नर अखाड़ा, लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी जी (माते)
- विधायक सुश्री उषा ठाकुर (महू विधानसभा) इंदौर
- डॉ. शरद पगारे (पूर्व प्राचार्य एवं प्रसिद्ध लेखक) इंदौर
- डॉ. सोनाली नरगुंदे, विभागाध्यक्ष पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- डॉ. वंदना अग्निहोत्री, अध्यक्ष हिंदी अध्ययन परिषद, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- श्री आत्माराम शर्मा, संपादक गर्भनाल पत्रिका, भोपाल
- डॉ. अनूप व्यास, विभागाध्यक्ष वाणिज्य, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर
- डॉ. वंदना चराटे, विभागाध्यक्ष हिंदी, श्री मेरूलाल पाटीदार शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महू
- डॉ. चंदा जैन, विभागाध्यक्ष हिंदी, महारानी लक्ष्मीबाई शा. स्नातकोत्तर नूतन कन्या महाविद्यालय, इंदौर

सेमिनार संयोजक
डॉ. कला जोशी
विभागाध्यक्ष हिंदी

सेमिनार सचिव
डॉ. राजीव शर्मा
विभागाध्यक्ष पत्रकारिता

सह–संयोजक मंडल

डॉ. प्रेरणा ठाकुर
डॉ. आशा अग्रवाल
डॉ. बिंदु परस्ते
प्रो. रजनी झा
डॉ. सुषमा श्रीवास्तव
डॉ. मनीषा सिंह मरकाम
प्रो.मनाली सिंह
श्रीमति अनीता सिंह

महोदय,

श्री अटल बिहारी वाजपेयी शा. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर, संभासा केन्द्र (सृजन विमर्श शोध पत्रिका), पत्रकारिता विभाग, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर तथा गर्भनाल न्यास, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करने जा रहा है। सेमिनार का विषय – **'किन्नर सभ्यता, संस्कृति और साहित्य : चिंतन और चुनौतियां।'**

विषय की प्रासंगिकता

किन्नर शब्द के साथ–साथ गंधर्व एवं यक्ष प्रजाति का स्मरण हो आता है। कालांतर में गंधर्व एवं यक्ष तो सम्मान पाते रहे किंतु किन्नरों का मान तिरोहित होता गया।

मध्ययुग में मुगलों के शासन काल में वे सुल्तानों के संग–साथ देखे जाते रहे। आधुनिक काल तक उनकी सामाजिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई। समाज ने भी उनका शोषण किया। चंदा उगाही मसलन भीख मांगकर गुजरा करने वाले किन्नर समाज को ना शिक्षा का अधिकार मिला, ना नागरिकता का। इक्कसवीं सदी में अब जाकर 2018 में उन्हें वोट देने का अधिकार मिला। **लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी** जी के अथक प्रयासों से किन्नरों को **थर्ड जेंडर** के रूप में मान्यता मिली। समाज में समानता का हक उन्हें कब मिलेगा? अपने दायरे से, अपने वृत से कब वे बाहर आकर,सभ्यता एवं संस्कृति के हम कदम होंगे? उनकी अपनी क्या सभ्यता है? इससे समाज कब परिचित होगा? कौन उन्हें संस्कृति का पाठ पढ़ाएगा? कब उन्हें मानव होने का हक मिलेगा? कब वो समाज के साथ समांतर रेखा पर चलेंगे? उनके जहन में उठते सवालों का कब हम हल खोज पाएंगे? इन्हीं सब पर चिंतन करना एवं किन्नर समाज के सर्वांगीण विकास की चुनौतियों के हल ढूंढ़ना इस राष्ट्रीय सेमिनार का उद्देश्य है।

विमर्श के बिंदु

1) किन्नरों का इतिहास
2) इतिहास में किन्नर
3) किन्नरों की ऐतिहासिक परंपरा और परिवेश
4) वर्तमान में किन्नर बनाम थर्ड जेंडर
5) किन्नरों की जैविक स्थिति
6) किन्नरों के प्रति सामाजिक दृष्टि
7) किन्नरों का समाज और समाज में किन्नर
8) किन्नरों की आर्थिक स्थिति
9) किन्नरों की शिक्षा और उसके अवसर
10) किन्नरों की संस्कृतिःऐतिहासिक स्वरूप
11) किन्नरों की संस्कृतिःआज के संदर्भ
12) साहित्य में किन्नरों की उपस्थिति
13) किन्नरों का साहित्य
14) किन्नरोंका रोजगार और रोजगार के बदलते आयाम
15) किन्नर जीवनः चिंतनऔर चुनौतियां
16) किन्नरों से संबंधित अन्य विषय

संपर्क सूत्र

प्रो. मनाली सिंह	9009159000
प्रो. रजनी झा	9407100232
श्रीमति अनीता सिंह	9893090102
डॉ. कला जोशी	9827593358
डॉ. प्रेरणा ठाकुर	9826644262

शोध पत्र

विषय से संबंधित किसी भी पहलू पर शोध पत्र 03 मार्च 2019 तक (सॉफ्ट कॉपी) में संबंधित मेल – आई डी पर प्रेषित करें। शोध–पत्र अधिकतम 2000 शब्दों में लिखें। चयनित शोध–पत्र प्रकाशन ISSN अंतरराष्ट्रीय पत्रिका **गर्भनाल** में किया जाएगा। पत्रिका में प्रकाशनार्थ उन्हीं शोध–पत्र पर चयन समिति विचार करेगी, जिनके साथ प्रतिभागिता पंजीयन–प्रपत्र शुल्क भेजने की रसीद संलग्न होगी।

seminarhindi2019@gmail.com

फांट – हिंदी – क्रृतिदेव 10 तथा मंगल, साइज 14

पंजीयन शुल्क बैंक खाते में तथा नगद भुगतान भी कर सकते हैं–

प्राध्यापकों के लिए – 1000
शोधार्थियों के लिए – 800
विद्यार्थियों के लिए – 500

बैंक खाता
बैंक का नाम – ICICI Bank, Pipliyahana Branch
खाता संख्या – 34770150089
IFSC कोड – ICIC0003477

नगद भुगतान – सुबह 11:00 से दोपहर 4:00 बजे तक
प्रो मनाली सिंह – 9009159000
श्री अटलबिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर

कार्यक्रम स्थल

सभागृह पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
समय : सुबह 10:00 बजे

: उद्घाटन :

मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी जी के कर कमलों से होगा।